तेरे जाने के बाद...

तेरे जाने के बाद
कमरा वही है, दीवारें वही हैं,
बस हवा में अब तेरी हँसी नहीं तैरती,
और खिड़की से आती धूप
मुझसे सवाल करती है -
क्या प्यार इतना हल्का था कि चला गया?

रातें अब घड़ी से नहीं,
यादों से चलती हैं,
हर टिक-टिक पर तेरा नाम गिरता है,
और मैं नींद से नहीं,
खुद से जागता हूँ।

हमने वादा किया था
साथ बूढ़े होने का,
पर तुमने आधे रास्ते में
मौसम बदल लिया,
और मैं आज भी उसी मोड़ पर खड़ा हूँ।
तुम्हारी तस्वीरें
अब सिर्फ कागज़ नहीं रहीं,
वे मेरे धैर्य की परीक्षा हैं,
जिन्हें देख कर
मैं हर दिन सीखता हूँ
कैसे मुस्कुरा कर टूटना है।

अगर फिर कभी मिलो,
तो शिकायत नहीं करूंगा,
सिर्फ इतना पूछूंगा –
क्या तुम्हें भी कभी
मेरी कमी
इतनी ही चुपचाप लगी थी?

- एन.निधी

विरह का शहर

इस शहर की हर सड़क
तेरे नाम से शुरू होती है,
और हर मोड़ पर
तेरी याद का ट्रैफिक जाम है,
कहीं भी तेज़ चलना
मुमकिन नहीं।

लोग कहते हैं –
समय भर देता है घाव,
पर वे नहीं जानते,
कुछ घाव घड़ी नहीं देखते,
वे हर शाम
तेरी आवाज़ सुनकर
फिर से खुल जाते हैं।

मैंने खुद को समझाया
कि तू अब किसी और की दुनिया है,
पर दिल रोज़ तुझसे पूछता है –
अगर भूलना इतना आसान होता,
तो प्यार क्यों सीखा था?

तेरे बिना
हर त्योहार अधूरा है,
दीये जलते हैं
पर उजाला नहीं होता,
क्योंकि उजाला तो
तेरी आँखों से आता था।

आज भी जब बारिश होती है,
मैं छत पर खड़ा होकर सोचता हूँ,
कहीं उसी बूंद में
तेरी याद बहकर
मेरे पास न आ जाए।

- दीपसागर

हमारी हिन्दी

उचे उचे महलो मे रहती है अंग्रेजी
बडे बडे दिलो पे राज करती है अंग्रेजी
गरीब बस्ती मे बोली जाती है हिन्दी
उनके दिलो मे चलती है आंधी

अंग्रेजी का बोलो क्यु है इतना रूबाब
अंग्रेजी बोलने वाला क्यु है साहब
इतना सन्मान मिला अंग्रेजी को
फिर क्यु अवमानित हो रही हिन्दी

सब भाषाये बोली भारत माँ के गहने है
जो भारत माँ ने सदियो से पहने है
हिन्दी भारत माँ के माथे कि बिन्दी
फिर क्यु हो रहे है अंग्रेजी के बन्दी

सब तरफ बाट रही है ज्ञान अंग्रेजी
हम अपना अज्ञान पाल रहे है
चारो तरफ जाल बुन रही है अंग्रेजी
धीरे धीरे कालवश हो रही है हमारी नदी

-दिनेश शेळके
जालना